जिले के क्वारन्टाइन सेंटर में कहीं खाने में गड़बड़ी तो कहीं शौचालय के आभाव में रह रहे हैं क्वारन्टाइन हुए छात्र और प्रवासी मजदूर, प्रवासी मजदूरों के साथ डीएम व एसपी ने आइसोलेशन सेंटर पर खाया खाना

बिहार के 15 रेलवे स्टेशन पर बनेगा क्वारेंटाइन वार्ड, कोविड–19 के बढ़ते खतरे को देखते हुए लिया गया फैसला

लॉकडाउन 0.4 के लिए प्रधानमंत्री मोदी कल मुख्यमंत्रियों समेत इन लोगों से करेंगे बात

17 मई को खत्म हो रहे लॉकडाउन के तीसरे फेज के बाद लॉकडाउन बढ़ने के संकेत, फिर क्या पहले के मुकाबले ज्यादा छूट मिलेगी, जानिए पूरा प्लान

युवराज न्यूज़ टुडे

RNI:- BIHHIN05409

NEWS TODAY Update

www.newstodayupdate.in

आपकी आवाज़

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

वर्ष : 06 अंक : 08+10 तिथि : 10 मई 2020 मूल्य : निःशुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

न्यूज़ टुडे लॉक डाऊन स्पेशल रोजाना अंक

जिले के क्वारन्टाइन सेंटर में कहीं खाने में गड़बड़ी तो कहीं शौचालय के आभाव में रह रहे हैं क्वारन्टाइन हुए छात्र और प्रवासी मजदूर, प्रवासी मजदूरों के साथ डीएम व एसपी ने आइसोलेशन सेंटर पर खाया खाना

ग्राऊण्ड जीरो रिपोर्टिंग

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

तुरकौलिया प्रखंड में प्रवासी मजदूरों के साथ डीएम व एसपी ने आइसोलेशन सेंटर पर खाना खाया। खाना खाकर व्यवस्था का जयजा लिया। डीएम ने कहा, बेहतर व्यवस्था है। प्रवासी मजदूरों ने भी डीएम से कहा, आवासन व खाना की अच्छी व्यवस्था है। तुरकौलिया के जयसिंहपुर उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय में बनाये गए आइसोलेशन सेंटर पर एक घण्टे तक बारीकी से डीएम व एसपी ने मुआयना किया। इस दौरान डीएम के साथ एसपी नवीनचंद्र झा सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

क्वारन्टाइन सेंटर पर स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव

केसरिया प्रखंड में प्रवासी मजदूरों के लिये चार क्वारन्टाइन सेंटर बनाये गये हैं। जिसमें केसरिया उच्च विद्यालय,मिडिल स्कूल केसरिया, आर्य कन्या प्रोजेक्ट स्कूल व बच्चा प्रसाद सिंह कॉलेज शामिल है। जिसमें से दो क्वारन्टाइन सेंटर फिलहाल चालू है। इन दो सेंटरों पर कुल 62 लोग रह रहे हैं। इन क्वारंटाइन सेंटर पर रह रहे लोगों की चिकित्सीय सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि दूसरे प्रदेशों से आये लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों द्वारा होम क्वारंटाइन लिखा जा रहा है। सीओ रंजन कुमार ने बताया कि क्वारन्टाइन सेंटर में रह रहे लोगों को नाश्ता भोजन के अलावा दैनिक उपयोग की वस्तुएं दी जा रहीं हैं। सीओ ने बताया कि सरकार का पत्र है कि प्रवासी मजदूरों को होम क्वारंटाइन भी रखा जा सकता है।

मजदूरों के लिए महज दो शौचालय

रक्सौल प्रखण्ड में चार क्वारंटाइन सेंटर बनाये गए है। इस आइसोलेशन केंद्रों पर 119 प्रवासी मजदूर क्वारंटीन किये गए हैं। स्वस्थ व मेडिकल प्रमाण पत्र प्राप्त 29 प्रवासी मजदूरों को छोड़ दिया गया है। प्रखण्ड मुख्यालय स्थित मिड्ल स्कूल(बालक) व बंशीधर हाई स्कूल व नकरदेई मिड्ल स्कूल में क्रमशः सौ, उन्नीस व चार मजदूर क्वारंटीन है, जबकि नए चार मजदूरों को नकरदेई मिड्ल स्कूल में क्वारंटीन हैं। दिल्ली से चार मजदूर अपनी बाइक से गुरुवार को पहुंचे। ये चारों एक मई को दिल्ली से चले। श्यामपुर स्थित मिड्ल स्कूल में क्वारंटीन मजदूरों का आरोप है कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण भोजन नही मिल रहा है। महज दो शौचालय में ही बारी–बारी शौच करने को विवश हो रहे हैं। केंद्र पर इन मजदूरों से फिजिकल डिस्टेंसिंग को लेकर काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

शौचालय जाम, बाहर शौच को जाते प्रवासी

विभिन्न राज्यों से राजेपुर प्रखंड थाना क्षेत्र के सलेमपुर मध्य विद्यालय क्वारंटाइन सेंटर पर रह रहे प्रवासी मजदूरों को बर्तन, बाल्टी, साबुन, थाली, बिछावन नहीं मिला है। प्रवासियों ने बताया कि विद्यालय का शौचालय गंदा होने व जाम होने के कारण शौच के लिए बाहर जाना पड़ रहा है। घर से बिछावन लाकर सोते हैं। पत्ता पर खाना खिलाया जाता है। वहीं मेहसी प्रखंड प्रशासन ने सिर्फ क्वारंटाइन सेंटर खोल दिया है लेकिन सुविधा नहीं दी जा रही है। खाने में सिर्फ दो टाइम भात, दाल, आलू की सब्जी दी जाती है। सीओ अरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जानकी साह हाईस्कूल तेतरिया, मधुआहावृत मध्य विद्यालय, ध गौबौलिया, लहलादपुर में कुल 254 प्रवासी पहुंच चुके हैं। सभी प्रवासी मजदूरों की प्रतिदिन स्वास्थ्य की जांच मेडिकल टीम द्वारा करायी जाती है।

दादी की मौत पर भी घर नहीं गया क्वारंटाइन युवक

मोतिहारी प्रखंड नगर क्षेत्र के आदर्श क्वारंटाइन सेन्टर एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र में रहने वाला एक युवक ने अपने दादी की मौत पर भी घर नहीं जाकर सरकारी नियम का पालन करने का एक मिसाल कायम की। हालांकि प्रशासन ने युवक के लिए फलाहार उपलब्ध करा दिया। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय आदर्श क्वारंटाइन सेंटर में अरेराज अनुमंडल के नगदहा गांव का संतोष गिरि विगत एक सप्ताह से रह रहा है। जिसके दादी की मौत शुक्रवार की अहले सुबह हो गयी। फिर भी वह इसकी जानकारी किसी को नहीं दिया। इसकी जानकारी क्वारंटाइन सेन्टर के लोगों व अधिकारियों को उस समय हुई। जब क्वारंटाइन लोगों को भोजन कराया जाने लगा। उस युवक ने खाना खाने से

इनकार करने के साथ ही दादी की मृत्यु होने व फल उपलब्ध कराने की बात कही। जिसको लेकर सीओ वकील सिंह ने युवक के लिए फल उपलब्ध कराया। फलाहार करने का बाद उक्त युवक ने परियोजना पाठशाला का भी लाभ लिया।

मधुबन से पैदल फेनहारा ब्लॉक पहुंचे प्रवासी

फेनहारा प्रखंड में अन्य प्रदेशों से छात्रों व प्रवासी मजदूरों के पहुंचने का क्रम जारी है। प्रखंड में कुल चार क्वरंटाइन सेंटर बनाये गए हैं। फेनहारा मध्य विद्यालय स्थित क्वारंटाइन सेंटर पर कुल 67 प्रवासी मजदूरों को 21 दिनों के लिए क्वारन्टीन किया गया है। क्वारंटाइन सेंटर पर उपस्थित बीआरपी सह केंद्र प्रभारी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि केंद्र पर कुल दस शौचालय व चार हैंड पम्प , पर्याप्त रोशनी व बिछावन की समुचित व्यवस्था है। सीओ बिजेन्द्र कुमार सिंह व बीएओ एमके सिंह ने बताया कि केंद्र में दो छात्र समेत कुल 67 व्यक्तियों का निबंधन हुआ है।उक्त प्रवासियों को सरकारी दिशा निर्देश के अनुसार सुबह नास्ता व चाय और दोपहर व रात्रि भोजन के साथ रहने के लिए आवश्यक उपयोग की वस्तुएं उपलब्ध कराए जा रहे हैं।इधर केंद्र पर मुम्बई से पहुंचे प्रवासी मो शाह आलम, मो. गफ्फार अंसारी, गुजरात से पहुंचे मो. सेराज ने बताया कि उनलोगों को मधुबन में ही छोड़ दिया गया। वे लोग अपने सामान के साथ थके हारे फेनहारा केंद्र पैदल ही आये हैं। इस बाबत बीडीओ उमेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रवासियों को केंद्र तक छोड़ने का प्रावधान है। छोड़ने के कारण परेशानी हो रही है। क्वारन्टीन किये गए प्रवासियों ने भोजन पेयजल आदि सुबिधा को संतोष प्रद बताते हुए कहा कि वे शीघ्र अपने परिजनों के यहाँ जाने को आतुर है। उन्होंने बताया किउनकी स्क्रीनिंग सुबह शाम की जा रही है, किंतु केंद्र पर हमेशा चिकित्सक नही रहते है। केंद पर आशा वर्कर रह रही है। बीडीओ उमेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रवासियों की संख्या बढ़ने की स्थिति में क्वारन्टीन सेंटर बढ़ाया जाएगा।

नवोदय विद्यालय में ठहरे हुए प्रवासी मजदूरों को लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की जानकारी दी गई

पिपरा कोठी नवोदय विद्यालय में ठहरे हुए प्रवासी मजदूरों को लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की जानकारी दी गई, कुल 65 लोगों में से 10 लोगों के घर शौचालय नहीं होने की बात स्वीकार की गई. क्रोंटाईन होने के बाद घर जाकर उन्होंने शौचालय निर्माण करने का संकल्प लिया है। दो गड्ढे वाला व्यक्तिगत शौचालय निर्माण एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण के संबंध में उन्हें जानकारी दी गई इसमें दो राजमिस्त्री भी उपलब्ध थे।

लॉकडाउन 0.4 के लिए प्रधानमंत्री मोदी कल मुख्यमंत्रियों समेत इन लोगों से करेंगे बात

कोरोना स्पेशल

सुनील चौधरी,
संवाददाता,

कोरोना वायरस महामारी को रोकने के लिए देश में लॉकडाउन का तीसरा फेज चल रहा. इसकी मियाद 17 मई को खत्म हो रही है. इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लॉकडाउन के खत्म होने से पहले सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बात करेंगे. पीएम मोदी की ये मीटिंग दोपहर 3 बजे से शुरू होगी. इस मीटिंग में 17 मई के बाद के प्लान पर चर्चा हो सकती है.

इस मीटिंग में गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, चीफ सेक्रेटरी, होम सेक्रेटरी, हेल्थ सेक्रेटरी के अलावा, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और डीजीपी मौजूद रहेंगे. माना जा रहा है कि केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से 17 मई को खत्म हो रहे लॉकडाउन के बाद की रणनीति पर इस बैठक में चर्चा हो सकती है.

बता दें कि रविवार दोपहर तक देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़कर 62,939 हो गए हैं. साथ ही देश में 2109 लोगों की अब तक कोविड 19 संक्रमण के कारण मौत हो चुकी है. वहीं कुल 19358 लोग इस संक्रमण को मात देकर पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं.

बिहार के 15 रेलवे स्टेशन पर बनेगा क्वारेंटाइन वार्ड, कोविड-19 के बढ़ते खतरे को देखते हुए लिया गया फैसला

रिंकू गिरी,
संवाददाता

कोविड–19 के बढ़ते खतरे को देखते हुए इस महामारी से लड़ाई में रेलवे राज्यों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने को तैयार है. कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के लिए पूरे भारतीय रेल में 5231 कोचों को कोविड देखभाल केंद्र के रूप में रूपांतरित किया गया है. इनमें पूर्व मध्य रेल द्वारा तैयार किए गए 269 कोचें भी शामिल हैं. इन कोचों को बेहद हल्के मामलों में उपयोग में लाया जा सकता है. जिसे केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा–निर्देश के अनुरूप 'कोविड देखभाल केंद्रों' को सौंपा जा सकता है.
देश में 215 स्टेशनों में से 85 स्टेशनों पर रेलवे द्वारा स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं उपलब्ध कराया जाएगा तथा राज्य के अनुरोध पर और 130 स्टेशनों पर ये सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सकती हैं जहां चिकित्सक सहित अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधा राज्य स्वयं तय करेंगे. इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं. इन 215 स्टेशनों में से बिहार राज्य के 15 स्टेशन चिह्नित किए गए हैं जहां रेलवे,राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं संचालित की जा सकती है.
बिहार राज्य में बरौनी, दरभंगा, जयनगर, मुजफ्फरपुर, नरकटियागंज, पटना जं., रक्सौल, सहरसा, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, सोनपुर, जमालपुर, छपरा, सीवान एवं कटिहार सहित कुल 15 स्टेशनों पर स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सकती हैं. केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी दिशा–निर्देश के अनुरूप इन स्टेशनों पर पूर्व मध्य रेल द्वारा आइसोलेशन,क्वारंटाइन वार्ड के रूप में तब्दील किए जा चुके 269 रेलवे कोचों को खड़ा किया जा सकता है. ये कोच हर तरह की चिकित्सा सुविधाओं से युक्त होंगे. इनमें कोविड–19 से संक्रमित अथवा संदिग्ध मरीजों को आइसोलेशन,क्वारंटाइन करने की व्यवस्था है.

17 मई को खत्म हो रहे लॉकडाउन के तीसरे फेज के बाद लॉकडाउन बढ़ने के संकेत, फिर क्या पहले के मुकाबले ज्यादा छूट मिलेगी, जानिए पूरा प्लान

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए इन दिनों देश भर में लॉकडाउन लागू है. लॉकडाउन का तीसरा फेज 17 मई को खत्म हो रहा है. लॉकडाउन को बढ़ाने को लेकर सरकार ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है. लेकिन इस बात की उम्मीद जताई जा रही है कि अगर इसे बढ़ाया जाता है तो फिर क्या पहले के मुकाबले ज्यादा छूट मिलेगी. ऐसे संकेत मिल रहे हैं देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने के लिए सरकार नए नए कदम उठा सकती है.

ये है पूरा प्लान

सूत्रों के मुताबिक अगर लॉकडाउन को बढ़ाया जाता है तो फिर इस बार कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं. लॉकडाउन के मौजूदा फेज में किसी भी इलाके में कोरोना के ज्यादा केस आने के चलते पूरे जिले को रेड जोन में डाल दिया जाता है. लेकिन इस बार एसी योजना बनाई जा रही है कि पूरे जिले को रेड जोन घोषित न कर सिर्फ उन इलाकों को इस दायरे में रखा जाएगा जहां कोरोना के मरीज हैं. कहा जा रहा है कि कोरोना के चलते पैदा हुए आर्थिक संकट को कम करने के लिए कंटेनमेंट जोन्स के बाहर आर्थिक गतिविधियों को मंजूरी दी जा सकती है.

इसलिए उठाया जा रहा है ये कदम

सरकार ने लॉकडाउन के तीसरे चरण में ग्रीन जोन वाले इलाके में कई छूट दी है. इसके बावजूद निर्माण कार्यों में कोई नहीं आ रही है . दरअस प्रवासी मजदूरों के लगातार वापस लौटने की वजह से इन सेक्टरों में भारी दिक्कत आ रही है. इसके अलावा मैनुफैक्चरिंग नहीं शुरू हो पाने से माल की ढुलाई में भी तेजी देखने को नहीं मिली है.

ग्रीन जोन में सबसे ज्यादा छूट

लॉकडाउन के तीसरे चरण में सरकार ने रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन में कई तरह की गतिविधियों की इजाजत दी थी. ग्रीन जोन में बस सेवाएं और इंडस्ट्रीज शुरू करने के भी आदेश दिए गए थे. लेकिन कई राज्य कोरोना के संक्रमण के फैलने के डर से छूट देने के लिए राजी नहीं हुई. अब केंद्र सरकार नए निर्देशों में सिर्फ कंटेनमेंट जोन्स के भीतर बैन लागू रख सकती है. उसके बाहर, जरूरी सावधानियों के साथ जनजीवन सामान्य करने की ओर बढ़ा जा सकता है.

आपदा राहत कार्य मे लापरवाही में नपे छौड़ादानो सीओ

अफजल आलम
न्यूज टुडे,

आपदा राहत कार्य मे लापरवाही में नप गए छौड़ादानो सीओ प्रभात कुमार। उनके खिलाफ रक्सौल एसडीओ के प्रतिवेदन पर डीएम ने कार्रवाई किया। सीओ का सम्पूर्ण प्रभार तत्काल प्रभाव से बीडीओ को सौंपने का आदेश हुआ है। एसडीओ को डीएम ने सीओ प्रभात कुमार पर प्रपत्र 'के' गठित कर भेजने का दिया आदेश दिया है।

गौरतलब है कि सीओ कोरोना महामारी में लापरवाही बरत रहे थे। साथ हीं अंचल मुख्यालय में न रहने सेआपदा बचाव कार्य बाधित हो रहा था। इसके पश्चात रक्सौल एसडीओ के प्रतिवेदन पर डीएम ने करवाई किया। सीओ पर हुई कार्रवाई से आपदा में लापरवाही करने वाले पदाधिकारी व कर्मचारी में हड़कंप मचा है।

लॉकडाउन थ्री में अब वाहन पास के सिर्फ दो विकल्प, परिवार में मौत और मेडिकल इमरजेंसी में ही मिलेगा पास

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

देश में कोरोना वायरस को लेकर लॉक डाउन किया है. कोरोना संक्रमितों की संख्या बिहार में तेजी से बढ़ रहा है. प्रवासी मजदूरों को आने की प्रकिया शुरू हो गई है. लेकिन लॉकडाउन थ्री में राज्य के लोगों को निजी काम के लिए सिर्फ दो ही स्थितियों में वाहन पास मिलेगा. पहला, इलाज कराने और दूसरा, पारिवारिक सदस्य की मृत्यु या श्राद्ध में शामिल होने के लिए ही पास जारी होगा. इसके अलावा अन्य किसी भी हालत में वाहन पास नहीं दिया जाएगा. दूसरे राज्य का कोई व्यक्ति अगर बिहार में फंसा है तो उसे अपने घर जाने के लिए पास मिल सकेगा.
पटना जिला प्रशासन की बेवसाइट से ऑनलाइन आवेदन के कॉलम से अन्य कारण को हटा देने से पास में महज तीन श्रेणियां बच गई हैं. ये हैं–व्यक्तिगत, अधिकारिक और व्यापार.. व्यक्तिगत कारण में तीन ऑप्शन हैं– पारिवारिक सदस्य की मृत्यु या श्राद्ध, दूसरा, दृनिजी आकस्मिक चिकित्सा और पारिवारिक सदस्यों की आकस्मिक चिकित्सा होना, तीसरा,– बिहार में फंसे अन्य राज्यों के व्यक्ति हैं. इनमें से जो भी कारण आप देंगे उसका साक्ष्य अपलोड करना होगा. तभी आपको पटना जिला प्रशासन से पास मिलेगा.
बता दें कि तीन कारणों को छोड़ चौथा कारण होने पर ऑनलाइन पास का आवेदन भरने पर ही रोक लगा दी गई है. वहीं आधिकारिक यात्रा का पास बनाने के लिए आवेदन देते हैं तो आपको कार्यालय कर्मचारी, आउट सोर्सिंग कर्मचारी या अन्य में से एक सलेक्ट करना है. इसका साक्ष्य अपलोड करना है. इसी तरह व्यापार के लिए पास का आवेदन देंगे तो आपको ई–कामर्स, थोक, खुदरा या निर्माण से संबंधित आवेदन भरना होगा.

NEWS TODAY युवराज न्यूज़ टुडे RNI:- BIHHIN05409

News Today Digital Paper Tarrif

Back Page Full	: 27.94 X 43.18 cm = 55000.00
Back Page Half	: 13.97 X 21.59 cm = 30000.00
Back Page Quarter	: 06.98 X 10.79 cm = 20000.00
Complimentery Ad	: 04.00 X 06.00 cm = 5000.00
Inner Page 25% less of all Tarrif	

Portal Tarrif

PARTICILAR	DAILY (MIN. 15 DAYS)	MONTHLY	YEARLY
HEADER :	2000	50,000	5,00,000
UNDER NEWS :	1000	25,000	2,50,000
SIDE, MIDDLE & OTH :	1500	35,000	3,50,000

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830